५. किताबें कुछ कहना चाहती हैं

– सफदर हाश्मी

संभाषणीय

'वाचन प्रेरणा दिवस' के अवसर पर पढ़ी हुई किसी पुस्तक का आशय प्रस्तुत कीजिए :–

कृति के लिए आवश्यक सोपान :

● विद्यार्थियों से पढ़ी हुई पुस्तकों के नाम और उनके विषय के बारे में पूछें । ● उनसे उनकी प्रिय पुस्तक और लेखक की जानकारी प्राप्त करें । ● पुस्तकों का वाचन करने से होने वाले लाभों पर चर्चा कराएँ ।

किताबें
करती हैं बातें
बीते जमानों की
आज की, कल की
एक-एक पल की
खुशियों की, गमों की
फूलों की, बमों की
जीत की, हार की
प्यार की, मार की ।
क्या तुम नहीं सुनोगे
इन किताबों की बातें ?
किताबें कुछ कहना चाहती हैं
तुम्हारे पास रहना चाहती हैं
किताबों में चिड़ियाँ चहचहाती हैं
किताबों में खेतियाँ लहलहाती हैं
किताबों में झरने गुनगुनाते हैं
परियों के किस्से सुनाते हैं
किताबों में रॉकेट का राज है
किताबों में साइंस की आवाज है
किताबों का कितना बड़ा संसार है
किताबों में ज्ञान की भरमार है ।
क्या तुम इस संसार में
नहीं जाना चाहोगे ?
किताबें कुछ कहना चाहती हैं
तुम्हारे पास रहना चाहती हैं ।

परिचय

जन्म : १२ अप्रैल १९५४ दिल्ली
मृत्यु : २ जनवरी १९८९ गाजियाबाद (उ.प्र.)
परिचय : सफदर हाश्मी नाटककार, कलाकार, निर्देशक, गीतकार और कलाविद थे ।
प्रमुख कृतियाँ : किताबें, मच्छर पहलवान, पिल्ला, राजू और काजू आदि प्रसिद्ध रचनाएँ हैं । 'दुनिया सबकी' पुस्तक में आपकी कविताएँ संकलित हैं ।

पद्य संबंधी

नई कविता : संवेदना के साथ मानवीय परिवेश के संपूर्ण वैविध्य को नए शिल्प में अभिव्यक्त करने वाली काव्यधारा है ।

प्रस्तुत कविता 'नई कविता' का एक रूप है । इस कविता में हाश्मी जी ने किताबों के माध्यम से मन की बातों का मानवीकरण करके प्रस्तुत किया है ।

https://youtu.be/o93x3rLtJpc

आसपास

अपने परिसर में आयोजित पुस्तक प्रदर्शनी देखिए और अपनी पसंद की एक पुस्तक खरीदकर पढ़िए ।

लेखनीय

हस्तलिखित पत्रिका का शुद्धीकरण करते हुए सजावट पूर्ण लेखन कीजिए ।

पठनीय

पाठ्यपुस्तक की किसी एक कविता के केंद्रीय भाव को समझते हुए मुखर एवं मौन वाचन कीजिए ।

कल्पना पल्लवन

'ग्रंथ हमारे गुरु' इस विषय के संदर्भ में स्वमत बताइए ।

श्रवणीय

अपनी मातृभाषा एवं हिंदी भाषा का कोई देशभक्तिपरक समूह गीत सुनाइए ।

पाठ के आँगन में

(१) आकृति पूर्ण कीजिए :

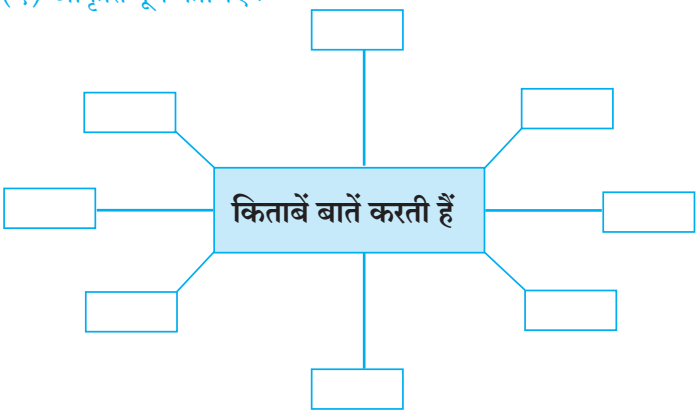

(२) कृति पूर्ण कीजिए :

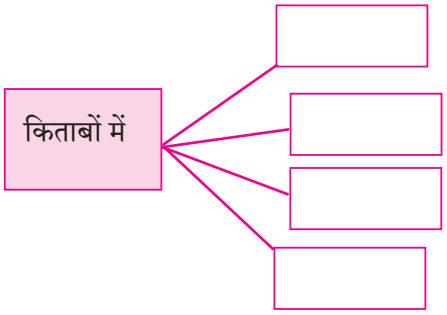

भाषा बिंदु

निर्देशानुसार काल परिवर्तन कीजिए :

वाक्य-परिवर्तन

वर्तमान काल	किताबें कुछ कहना चाहती हैं ।	सामान्य
		पूर्ण
		अपूर्ण
भूत काल		सामान्य
		पूर्ण
		अपूर्ण
भविष्य काल		सामान्य

रचना बोध

.....

.....

.....